एक नजर में

प्रधान का इस्तीफा, गुना में निकला विजय जुलूस

गुना। गुना। नीट पेपर लीक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद देशभर के छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर है। इसी सिलसिले में स्थानीय शास्त्री पार्क पर पिछले 8 दिनों से जारी प्रदर्शन के बीच गुना में एक विशाल विजय जुलूस निकाला गया। यह जुलूस लक्ष्मीगंज व जयस्तंभ चौराहा होते हुए शास्त्री पार्क तक पहुंचा, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र, युवा, आम नागरिक और सिविल सोसाइटी के साथी शामिल हुए।

मूवमेंट अगेंस्ट अन एम्प्लॉयमेंट के मनोज रजक ने आंदोलन में शामिल युवाओं के साहस को सलाम करते हुए कहा कि यह इस्तीफा सरकार की जवाबदेही तय होने की केवल शुरूआत है। इस विजय जुलूस को श्रीराम सेन, अजय राव, प्रीति श्रीवास्तव, शुभम राव और अर्जुन ने संबोधित किया। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि संघर्ष अभी जारी रहेगा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को खत्म करने, पेपर लीक के जिम्मेदार दोषियों पर कड़ा मुकदमा चलाने, प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने और सरकारी क्षेत्र के सभी खाली पदों को तुरंत भरने की प्रमुख मांगें रखी गई हैं।

सुबह गौसेवकों का आंदोलन, शाम को सख्त आदेश जारी

एसडीएम को ज्ञापन देने से इंकार कर सीधे कलेक्टर को बाहर बुलाने पर अड़े रहे प्रदर्शनकारी

नवभारत न्यूज

गुना 27 जुलाई का। शहर में सोमवार का दिन गौ-वंश के मान-सम्मान और सुरक्षा को लेकर बेहद गहमागहमी भरा रहा। सुबह जहां राष्ट्रव्यापी 'गौ सम्मान आव्हान अभियान' के तहत सड़कों पर गौ-भक्तों का जनसैलाब उमड़ा और कलेक्ट्रेट परिसर में आधे घंटे तक हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, वहीं शाम ढलते-ढलते जिला प्रशासन ने भी स्थानीय स्तर पर एक बड़ा फैसला सुना दिया।

सुबह की नारेबाजी और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने की जिद्द का असर शाम को उस वक्त देखने को मिला जब कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल ने जिले की सड़कों पर आवारा गौ-वंश और मवेशी छोड़ने वाले पशुपालकों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत कड़ा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिया। सोमवार सुबह की शुरूआत 'गौ सम्मान आव्हान अभियान' के साथ हुई। शहर के मानस भवन से विभिन्न धर्मगुरुओं, गौ-सेवक संगठनों के पदाधिकारियों और आम नागरिकों की मौजूदगी में एक विशाल रैली निकाली गई।

'गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दो' और 'गौ-वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाओ' जैसे नारों के साथ यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई कलेक्ट्रेट पहुंची। कलेक्ट्रेट परिसर में उस वक्त अजीबोगरीब और असमंजस की स्थिति बन गई जब गौ-सेवकों से ज्ञापन लेने के लिए एसडीएम शिवानी पांडे बाहर आईं।

ज्ञापन सौंपने पर एकमत नहीं दिखे

एसडीएम को देखकर प्रदर्शनकारी दो धड़ों में बंटते नजर आए। अधिकांश गौ-सेवकों का स्पष्ट कहना था कि मामला अत्यंत संवेदनशील और राष्ट्रव्यापी महत्व का है, इसलिए ज्ञापन सीधे जिलाधीश ही स्वीकार करेंगे। लगभग 30 मिनट तक चली बहस, मान-मनौव्वल और प्रशासनिक असमंजस के बाद आखिरकार कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को स्वयं अपने दफ्तर से निकलकर बाहर आना पड़ा और उन्होंने गौ-सेवकों से ज्ञापन प्राप्त किया। इस दौरान गौ-सेवकों ने बताया कि 27 अप्रैल से शुरू हुए इस अभियान के तहत देशभर की 5,100 तहसीलों में डिजिटल हस्ताक्षर अभियान चलाया गया है, जिसमें अकेले गुना जिले से 1 लाख से अधिक लोगों ने अपना समर्थन दर्ज कराया है।

खुले में छोड़े मवेशी तो होगी सख्त कार्रवाई

कलेक्ट्रेट पर सुबह हुए इस शक्ति प्रदर्शन और गौ-वंश के प्रति बढ़ती चिंताओं का सीधा असर शाम को प्रशासनिक गलियारों में दिखाई दिया। कलेक्ट्रेट से लौटी इस हलचल के बीच शाम को कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने जन-सुरक्षा और सड़कों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 27 जुलाई से 26 सितंबर 2026 तक पूरे जिले में धारा 163 लागू करने का फरमान जारी कर दिया। जारी आदेश के तहत अब कोई भी पशुपालक अपने मवेशियों को सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर खुला नहीं छोड़ सकेगा। ऐसा करने पर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

भू-राजस्व के बकाया की तरह होगी वसूली

प्रशासनिक आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि सड़कों पर घूमते आवारा पशुओं को गौशालाओं में भेजा जाता है, तो उनके परिवहन और रखरखाव का पूरा खर्च संबंधित लापरवाही करने वाले मालिक से भू-राजस्व की बकाया राशि की तरह वसूला जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्गों और मुख्य सड़कों पर गश्त बढ़ाने के साथ-साथ घायल पशुओं के त्वरित इलाज और मृत पशुओं के निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की जाएगी। इस प्रकार, सुबह ज्ञापन सौंपने कलेक्ट्रेट पहुंचे गौ-भक्तों के तेवरों का ही नतीजा रहा कि शाम होते-होते गुना प्रशासन को बेसहारा गौ-वंश की सुरक्षा के लिए इतना बड़ा और कड़ा कदम उठाना पड़ा।

ट्रांसपोर्ट के गोडाउन में निकला कोबरा, किया रेस्क्यू

गुना। बीजी रोड बायपास स्थित पीएम आवास मार्ग पर बने दयाल ट्रांसपोर्ट के गोडाउन में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब गोडाउन के भीतर एक विषैला कोबरा सांप बैठा दिखाई दिया।

गोडाउन में कोबरा की मौजूदगी की सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुँची और पूरी सावधानी व तत्परता बरतते हुए कोबरा को सुरक्षित पकड़ लिया। टीम के अनुसार रेस्क्यू किए गए कोबरा को जल्द ही उसके प्राकृतिक आवास जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया जाएगा। यह सफल रेस्क्यू ऑपरेशन वनपाल हरीश भार्गव के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें वनकर्मी अभिषेक ओझा एवं पप्पू चंदेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बारिश के मौसम को देखते हुए वन विभाग ने आमजन से सावधानी बरतने का आग्रह किया है। वन विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि अपने घर, गोडाउन और आसपास के परिसरों में स्वच्छता बनाए रखें ताकि विषैले जीव शरण न ले सकें। यदि कहीं सांप या अन्य वन्य जीव दिखाई दे, तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें।

प्रदर्शन और रैली पर लगा प्रतिबंध, धारा 163 लागू

गुना। जिला प्रशासन ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में प्रशासनिक व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर कलेक्ट्रेट सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार के धरना, प्रदर्शन, आंदोलन, जुलूस, रैली, हड़ताल और आमसभा जैसी सामूहिक गतिविधियों पर पूर्णत: प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंधात्मक आदेश 27 जुलाई 2026 से 26 सितंबर 2026 तक तत्काल प्रभाव से लागू रहेगा। जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि कलेक्टर कार्यालय आम नागरिकों के महत्वपूर्ण कार्यों का प्रमुख केंद्र है, जहाँ प्रतिदिन वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं व बच्चे पहुँचते हैं। हाल ही में विभिन्न संगठनों द्वारा बिना पूर्व अनुमति कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन आयोजित करने से अव्यवस्था और शांति व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति निर्मित हुई थी। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एकपक्षीय आदेश जारी किया गया है। अब कोई भी व्यक्ति, राजनीतिक या गैर-राजनीतिक संगठन कलेक्ट्रेट परिसर के भीतर इस प्रकार के आयोजन नहीं कर सकेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 व अन्य विधिक प्रावधानों के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े पर स्वच्छता जागरुकता रैली

गुना। सांदीपनि विद्यालय मॉडल गुना में आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत 27 जुलाई को स्वच्छता जागरूकता रैली हुई। जिसमें विद्यार्थियों ने नारों और तख्तियों के जरिए आमजन को आसपास स्वच्छता बनाए रखने, निर्धारित स्थान पर कचरा डालने तथा स्वच्छ व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। रैली के पश्चात विद्यालय प्राचार्य ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता को दैनिक आदत बनाना आवश्यक है।

गुना जिले में अब तक 393 .9 मिमी औसत बारिश दर्ज

नवभारत न्यूज

गुना। जिले में चालू मानसून सत्र के दौरान बारिश का आंकड़ा धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। 01 जून 2026 से 27 जुलाई 2026 की स्थिति में जिले में अब तक कुल 393.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो कि सामान्य औसत बारिश का मात्र 37.4 प्रतिशत है। गत वर्ष की तुलना में इस बार बारिश की रफ्तार काफी कम नजर आ रही है, क्योंकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक जिले में 816.2 मिलीमीटर औसत बारिश दर्ज की जा चुकी थी। उल्लेखनीय है कि पूरे मानसून सीजन में जिले की सामान्य औसत वर्षा का मानक 1053.5 मिलीमीटर तय है।

भू-अभिलेख विभाग अधीक्षक द्वारा जारी अधिकृत आंकड़ों के अनुसार 01 जून से 27 जुलाई की सुबह 8:00 बजे तक जिले के विभिन्न वर्षामापी केंद्रों पर बारिश की स्थिति काफी असमान दर्ज की गई है। इस अवधि में तहसील वार स्थिति देखें तो वर्षामापी केंद्र गुना में 170.1 मिमी, बमोरी में 202.8 मिमी, आरोन में 248.0 मिमी और राघौगढ़ में 312.0 मिमी बारिश दर्ज की गई है। वहीं जिले के दूसरे हिस्से में बारिश का आंकड़ा काफी बेहतर रहा है, जिसमें चांचौड़ा केंद्र पर 509.0 मिमी, कुम्भराज में 654.0 मिमी तथा मक्सूदनगढ़ वर्षामापी केंद्र पर सबसे अधिक 665.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है।

बीते 24 घंटों की बात करें तो जिले में केवल नाममात्र यानी 0.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में वर्षामापी केंद्र गुना, बमोरी, आरोन, राघौगढ़ और चांचौड़ा में बारिश पूरी तरह शून्य (0.0 मिमी) दर्ज हुई, जबकि कुंभराज में 1.0 मिमी एवं मक्सूदनगढ़ केंद्र पर 5.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है।

बीएसी,सीएसी काउंसलिंग के लिए वरिष्ठता सूची जारी

गुना। विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक (बीएसी) एवं जनशिक्षक (सीएसी) के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राज्य शिक्षा केन्द्र के निदेर्शों के तहत जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा माध्यमिक शिक्षकों की वरिष्ठता सूची उपलब्ध कराई गई है, जिसे बीआरसी, संकुल एवं जनशिक्षा केन्द्रों के सूचना पटल पर चस्पा कर दिया गया है। जारी वरिष्ठता सूची के आधार पर ही पदों की पूर्ति की जानी है। यदि किसी शिक्षक को इस सूची के संबंध में कोई आपत्ति है, तो वे 30 जुलाई 2026 तक आवश्यक सुसंगत दस्तावेजों (जैसे नियुक्ति, संविलियन, पदोन्नति एवं स्थानांतरण आदेश) के साथ बीआरसी कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

रिछेरा गांव में नवविवाहिता ने झोपड़ी में फांसी लगाकर दी जान

डेढ़ साल पहले रेलवे स्टेशन पर हुई मुलाकात से जुड़ी थी जिंदगी की डोर

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के रिछेरा गांव में मजदूरी करने वाले युवक की पत्नी ने झोपड़ी में साड़ी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मूल रूप से बमोरी निवासी राकेश सहरिया रिछेरा में एक खेत पर मजदूरी करता है और वहीं झोपड़ी बनाकर रहता है। रविवार रात करीब 8 बजे जब वह काम से वापस लौटा, तो उसकी पत्नी पूजा फंदे पर लटकी मिली। घटना के समय घर पर उनकी तीन-चार महीने की मासूम बच्ची भी थी। इस घटना के पीछे एक भावुक और अधूरी दास्तान भी सामने आई है। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व राजस्थान के बीकानेर रेलवे स्टेशन पर राकेश की मुलाकात पूजा से हुई थी, जिसके बाद दोनों ने साथ रहने का फैसला किया। हालांकि, दोनों का औपचारिक विवाह नहीं हुआ था और राकेश को पूजा के मायके या परिजनों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। डेढ़ साल के इस साथ का इस तरह अचानक अंत हो जाना कई अनसुलझे सवाल छोड़ गया है।

कलेक्ट्रेट की टीएल बैठक, एक्शन मोड में कलेक्टर

नवभारत न्यूज

गुना। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को आयोजित समय-सीमा (ळछ) बैठक अधिकारियों के लिए अनुशासन, कार्य-संस्कृति और त्वरित कार्रवाई की पाठशाला साबित हुई। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों और जन-समस्याओं की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने दो टूक शब्दों में अधिकारियों को हिदायत दी कि जनहित की योजनाओं और शिकायतों के निराकरण में किसी भी तरह की हीला-हवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर कलेक्टर अखिलेश जैन और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

शहर और ग्रामीण इलाकों में बढ़ रहे अतिक्रमण पर लगाम कसने के लिए कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को एक विशेष प्रभावी टीम गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में उपयोग होने वाली बुलडोजर, मशीनों और अन्य संसाधनों का पूरा खर्च संबंधित अतिक्रमणकर्ता से ही वसूला जाएगा। इसके साथ ही खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले मिलावटखोरों पर भी लगातार दंडात्मक कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का तुरंत गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाए। कोई भी शिकायत 'नॉट अटेंडेड' नहीं छूटनी चाहिए। वहीं अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों पर बोलते हुए कलेक्टर ने साफ किया कि पूरी प्रक्रिया में शत-प्रतिशत पारदर्शिता और निष्पक्षता होनी चाहिए। इस प्रक्रिया में किसी भी तरह के लेन-देन या गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी।

योग अपनाएं और तनाव मुक्त रहें

बैठक के दौरान डिप्टी कलेक्टर महिमा चौधरी को अस्पताल की व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण करने का जिम्मा सौंपा गया। वहीं पीएम जनमन अभियान के तहत सहरिया परिवारों के सर्वे में तेजी लाने और जल जीवन मिशन के कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में कलेक्टर ने अधिकारियों को बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और कार्यकुशलता का मंत्र देते हुए कहा कि पेंडेंसी शून्य रखने से काम का दबाव खत्म होता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रतिदिन कम से कम 15 मिनट योग करने की व्यावहारिक सलाह भी दी।

पुरानी रंजिश में दोस्तों पर जानलेवा हमला, 20 से अधिक आरोपियों ने बोला धावा, दो घायल

गुना। शहर के कैंट थाना अंतर्गत हड्डीमील इलाके में रविवार रात करीब 11 बजे पुरानी रंजिश के चलते करीब 20 से अधिक लोगों ने तीन दोस्तों पर अचानक हमला कर दिया। इस वारदात में दो युवक घायल हो गए, जिनमें से एक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं।

जानकारी सामने आई है कि बूढ़े बालाजी निवासी मासूम खान और कैंट निवासी अरबाज अपने दोस्त सत्तू को बुलाने के लिए हड्डीमील स्थित उसके घर गए थे। तीनों दोस्तों की साथ में होटल जाकर खाना खाने की योजना थी। वे सत्तू के घर से निकले ही थे कि पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से अचानक हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित मासूम खान ने दो दिन पहले ही किसी विवाद को लेकर आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसी शिकायत की रंजिश को लेकर आरोपियों ने एकजुट होकर इस वारदात को अंजाम दिया। हमले में मासूम खान के सिर में गंभीर चोट आई है और उसका होंठ भी कट गया है, जबकि अरबाज भी घायल हुआ है। सत्तू सुरक्षित बताया जा रहा है। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है, वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समीक्षा बैठक | **जिला पंचायत सीईओ ने ब्लॉक समन्वयकों को थमाए 'कारण बताओ' नोटिस**

पोर्टल पर एक-एक फाइल खंगालते ही खुली लापरवाही की पोल

नवभारत न्यूज

गुना। प्रधानमंत्री जनमन आवास और आवास प्लस सहित पिछले वर्षों में स्वीकृत आवासों के निर्माण में हो रही देरी को लेकर जिला प्रशासन अब पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। जिला पंचायत सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे ने प्रधानमंत्री आवास पोर्टल पर एक-एक जनपद, ग्राम पंचायत और हितग्राहीवार प्रगति का डिजिटल हिसाब-किताब खंगाला।

इस दौरान जियो टैगिंग और किश्तों के भुगतान में गैर-जिम्मेदाराना देरी पकड़ में आते ही उन्होंने अधिकारियों की क्लास लगाई और लापरवाही बरतने वाले सभी जनपदों के ब्लॉक समन्वयकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के आदेश दे दिए। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने आवास स्वीकृत होने के बाद प्रथम जियो टैग फोटो अपलोड करने, पहली किश्त जारी होने, दूसरी व तीसरी किश्त के लिए जियो टैगिंग कराने, मस्टर जारी करने तथा अंतिम भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया का बारीकी से विश्लेषण किया। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान किस चरण में कितना समय लगा और किश्तें अटकने के पीछे क्या वजहें रहीं, इसे पोर्टल पर गहराई से समझा गया। वर्क कोड जारी करने और किश्तों के हस्तांतरण में अनावश्यक विलंब पाए जाने पर सीईओ ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित जनपद सीईओ के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु वरिष्ठ कार्यालय को पत्र भेजने के निर्देश दिए।

प्रतिदिन दो प्रकरणों की रैंडम जांच का मिला टॉस्क

आवास निर्माण को गति देने और व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए जिला समन्वयक (आवास) शिवम दीक्षित को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें प्रतिदिन पोर्टल पर रैंडम रूप से कम से कम दो प्रकरणों की गहन समीक्षा कर उनका मौके पर निराकरण कराने और रिपोर्ट सीधे जिला पंचायत सीईओ को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विलंब के कारणों का समय रहते समाधान किया जा सके।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे के अलावा चाचौड़ा जनपद सीईओ संजीत श्रीवास्तव, राघौगढ़ जनपद सीईओ गौरीशंकर राजपूत, स्थापना शाखा से सुरेंद्र संघवी, मनरेगा लेखाधिकारी रविंद्र अग्रवाल, जिला समन्वयक शिवम दीक्षित, निज सहायक राजकुमार प्रजापति, डीसी संदीप मेहरा सहित उपयंत्री और सभी जनपदों के ब्लॉक समन्वयक (आवास) उपस्थित रहे।

अग्रवाल महिला मंडल ने उत्साह से मनाया 2026 सत्र समापन का उत्सव

नवभारत न्यूज

गुना। अग्रवाल महिला मंडल द्वारा अग्रवाल धर्मशाला में वर्ष 2026 सत्र समापन और नवीन सत्र 2027 के स्वागत में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मंडल अध्यक्ष नीलम बिंदल ने उपस्थित महिलाओं को कुमकुम का तिलक लगाकर और गुलाब का पुष्प भेंट कर आत्मीय स्वागत के साथ की। इस अवसर पर तंबोला, प्रतियोगिताओं और सरप्राइज गिफ्ट्स सहित विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन हुआ, जिसका महिलाओं ने जमकर आनंद उठाया।

कार्यक्रम में मौजूद अध्यक्ष नीलम बिंदल ने कहा कि समाज की बहनों के सहयोग, समर्पण और वरिष्ठ मातृशक्ति के आशीर्वाद से ही प्रत्येक आयोजन सफल हो पाता है। कार्यक्रम के दौरान आगामी श्री राम कथा महोत्सव की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई, जिसे सफल बनाने का सभी सदस्यों ने संकल्प लिया। आयोजन में सचिव स्वाति अग्रवाल, रचना अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, बबीता बोहरे, शिवानी अग्रवाल, नमीता अग्रवाल, ममता अग्रवाल, हेमा बिंदल, रेणु अग्रवाल, सीमा मित्तल, शिल्पी गोयल, राधा अग्रवाल, पूनम अग्रवाल सहित कार्यकारिणी की अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। अंत में सामूहिक स्नेहभोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ, जहाँ सभी ने नए सत्र को समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया।